4 Chapter

भारत के विदेश संबंध

India' External Realations (1)

Q(1) भारत की गुट निरपेक्ष आंदोलन मे भूमिका
India's Role In the Non- Alignment Movement

Ans- अंतराष्ट्रीय राजनीति मे गुट निरपेक्षता की नीति (Policy of Non- Alignment) को लागु करने का श्रेय भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरु को है वह एक ऐसी स्वतन्त्र और सक्रिय विदेश नीति है जो विश्व शांति और राष्ट्रीय हित दोनो को ही बढावा देती है और विभिन्न शक्ति गुटो या सैनिक संधियो से अलग रहकर हर अन्तराष्ट्रीय मामले पर उसके गुण दोष के आधार पर निर्णय लेती है

इसका शुभारम्भ 1955 के अफ्रीकी-एशियाई देशो के बांडुग सम्मेलन से हुआ था। हमारे प्रथम प्रधानमंत्री नेहरु की भुमिका ऐसे क्षेत्रों मे बहुत ही महत्वपूर्ण थी। वह स्वयं अपने विदेश मंत्री थे। इसलिए उन्होने 1946- 1964 तक भारत की विदेश नीति को पूर्णत: प्रभावित किया। उनकी विदेश नीति के तीन उद्देश्य थे। निम्नलिखित थे।

(1) कठिनाइयो से प्राप्त की गई सम्प्रभुता का संरक्षण
(2) भारत की क्षेत्रीय अखण्डता का संरक्षण
(3) तीव्र आर्थिक विकास को प्रोत्साहन

(2)

इन उद्देश्यों की पुष्टि के लिए गुट निरपेक्षता का रास्ता चुना गया। वेशक एक ऐसा समूह भी था जो विश्वास करता था कि भारत को अमेरिका समर्थित नीति का अनुसरण करना चाहिए था। क्योंकि अमेरिका गुट लोकतांत्रिक था।
गुट निरपेक्ष आंदोलन ने कोरिया हिन्द-चीन स्वेज प्रकरण, भारत पर चीनी हमले निशस्त्रीकरण कांगो संकट दक्षिण अफ्रीका रंग भेद जाति भेद अनौपनिवेशिक समस्याओं में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

Q2 भारतीय विदेश नीति के चार अनिवार्य आधार बताइए
Ans (i) गुटनिरपेक्षता तथा पंचशील का शांति सिद्धान्त
(ii) साम्राज्यवाद और उपनिवेशवाद का विरोध
(iii) संयुक्त राष्ट्र संघ में आस्था
(iv) मानवीय अधिकारों का सम्मान

Q3 भारत की विदेश नीति के कोई चार निर्धारक तत्व लिखिए।
Ans (i) भारत की भौगोलिक संरचना जो भारत को शांति और एकता के मार्ग की ओर अग्रसर करती है
(ii) भारत की शांति अहिंसा धार्मिक सहिष्णुता और भ्रातृत्व जैसे आदर्शों
(iii) भारत के राष्ट्रीय हित एवं इच्छाएँ
(iv) भारत की औद्योगिक परिस्थितियाँ तथा अंतर्राष्ट्रीय वातावरण एवं परिस्थितियाँ